हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 146 | देहरादून, शुक्रवार, 01 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

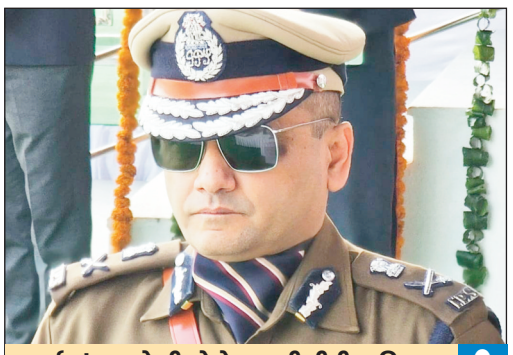

चार्ज संभालते ही बोले नए डीजीपी अभिनव कुमार, साइबर क्राइम पर लगाएंगे लगाम 3

'धामी' सरकार के नए डीजीपी के 'अभिनव' अंदाज़

संबंधित सामग्री पेज-2 और पेज 3 पर

क्रिमिनल्स के लिए काल बनेगी पुलिस : अभिनव कुमार, डीजीपी

बहुत याद आएंगे खाकी में इंसान वाले IPS अशोक कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 दिसंबर , एक शानदार परेड , एक बेहतरीन और यादगार विदाई , बेदाग़ और सरल स्वभाव के धनी शख्सियत जिसने खाकी में इंसान लिखी और वैसा ही जीवन भी जिया , हम बात कर रहे हैं पूर्व पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार की , जिन्हे सीनियर पुलिस ऑफिसर्स और डीजीपी अभिनव कुमार ने हांथों से गाडी का रस्सा खींच कर पुलिस लाइंस से विदाई दी तो इन लम्हों को देखकर सबका दिल भावुक हो गया ...

इसके पहले पुलिस लाइन्स में भव्य रैतिक परेड का आयोजन किया गया। परेड में

■ नए डीजीपी ने कहा शानदार उपलब्धियों के लिए 'सर' को बधाई

उत्तराखण्ड पुलिस की विभिन्न शाखाओं, ट्रेफिक पुलिस, नागरिक पुलिस, पी0ए0सी0, महिला पी0ए0सी0, कमाण्डो दस्ता, तथा ए0टी0एस0 आदि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन फायरमैन मनीष पंत द्वारा किया गया। रैतिक परेड का पुलिस महानिदेशक ने मानप्रणाम ग्रहण करने के उपरांत परेड का निरीक्षण किया।

पूर्व पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि वर्दी ने सेवा के हजारों मौके दिए। टीम के बिना कुछ भी संभव नहीं है। आप मेरे साथ खड़े रहे। जान जोखिम में डालकर खड़े रहे। मैं अपने पुलिस के सभी साथियों का धन्यवाद करता हूँ। हमने मिलकर कई बड़ी चुनौतियों जैसे कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर, रैंणी आपदा, कोरोना महामारी के बीच महाकुम्भ का आयोजन, और कुमाऊं परिक्षेत्र में अतिवृष्टि, आदि का धैर्य और दृढ़ता के साथ डटकर सामना किया और देशभर के लोगों का विश्वास जीता। मेरा मानना है कि पुलिस जनता के लिए बनी है। ऐसी पुलिस व्यवस्था बनाने का प्रयास किया, जिसमें अपराधियों में पुलिस का भय और जनता पुलिस को देखकर सुरक्षित महसूस करे।

आईपीएस अशोक कुमार की गाडी को हांथों से खींचकर दी विदाई

नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, ने कहा कि साथियों सरकारी सेवा में रिटायरमेंट शाश्वत सत्य होता है और रिटायरमेंट के बाद जिन्दगीं की एक नई पारी शुरू होती है। आज हमारे बीच से हमारे पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार 34 वर्ष से भी अधिक की भारतीय पुलिस सेवा में अपना योगदान देकर सेवानिवृत हो रहे हैं। उत्तराखण्ड पुलिस के infrastructure में सर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मैं सर को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि उत्तराखण्ड पुलिस सदैव उनका परिवार रहेगा साथ ही भविष्य में हमें आपका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। व्यक्तिगत रूप से मैने सर के साथ कार्य किया है जिसमें सर से बहुत कुछ सीखने को मिला है। सबसे महत्वपूर्ण है उनका स्वभाव मैने कभी भी उन्हें किसी परिस्थिति में विचलित होते नहीं देखा है। उनकी कार्यप्रणाली से हम सभी पुलिस अफिसर को सीख लेनी चाहिए। मेरा यह प्रयास रहेगा हम सब मिलकर उत्तराखण्ड पुलिस को नयी ऊंचाई पर ले जायेंगे।

इस अवसर पर पीवीके प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी, अभिसूचना एवं सुरक्षा, अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन, ए पी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, समस्त पुलिस महानिरीक्षक, समस्त पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

चार्ज संभालते ही बोले नए डीजीपी अभिनव कुमार, साइबर क्राइम पर लगाएंगे लगाम

डीजीपी अभिनव कुमार पुलिस हेडक्वार्टर मीडिया से हुए मुखातिब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 01 दिसंबर। बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के नए डीजीपी अभिनव कुमार ने चार्ज संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया को ब्रीफ करते हुए उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं बताई। नए डीजीपी ने कहा हमारा उत्तराखंड पुलिस का ध्येय मित्रता, सेवा, सुरक्षा है। मित्रता केवल सभ्य नागरिकों के लिए है।

अपराधियों के लिए हम हमेशा काल बनके रहेंगे। उन्होंने कहा उत्तराखंड शांत प्रदेश है, सुदृढ़ कानून व्यवस्था प्रदेश की पहचान है। इसलिए कानून व्यवस्था को लेकर कोई रियायत नहीं बरती जाएगी। ट्रेडिशनल पुलिसिंग के सिद्धांतों एवं सिखलाई को बरकरार रखते हुए नई चुनौतियों से डटकर सामना करेंगे।

मुख्यमंत्री के नशामुक्त उत्तराखंड मिशन के तहत ड्रग्स के विरूद्ध कार्यवाही करना और अधिक प्रभावी करना हमारी प्राथमिकता होगी। प्रदेश के प्राकृतिक रूप व आपदा की दृष्टि से संवदेनशील होने के दृष्टिगत हम अपनी फर्स्ट रेस्पोंडर की क्षमता को और अधिक बेहतर बनाएंगे। स्थानीय जनता के साथ ही उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों के साथ मित्रवत व्यवहार करके उनके लिए सुगम व्यवस्था बनाने पर जोर दिया जाएगा। ब ढ़ ते साइबर क्राइम पर रोकथाम लगाएंगे। महिला

संबंधी अपराधों के सम्बन्ध में संवेदनशीलता बढ़ायी जाएगी। इसके लिए हर स्तर के अधिकारी व कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे। पुलिसकर्मियों के कल्याण पर भी जोर रहेगा। उनके हाउसिंग, स्वास्थ्य, बच्चों की अच्छे शिक्षा सभी मेरी प्राथमिकताएं रहेंगी।

देहरादून : महिला व पुरुष के शव मिलने की घटना का दून पुलिस ने किया खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 01 दिसंबर : 26-11-2023 को थाना बसंत विहार को सूचना प्राप्त हुई कि बसंत विहार थाना क्षेत्र में दरू चौक से आगे पलवल रोड के किनारे नहर में एक महिला व एक पुरुष के शव पड़े हैं, सूचना पर तत्काल पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर जानकारी की गई तो मृतकों की पहचान संदीप मोहन धस्माना पुत्र मदन मोहन धस्माना, निवासी अंबीवाला, थाना बसंत विहार, उम्र 40 वर्ष व मृतिका महिला हेमलता पत्नी सुनील निवासी पीताम्बरपुर थाना बसंत विहार उम्र करीब 37 वर्ष के रूप में हुई। उक्त संबंध मे दोनों शवों को पंचायतनामा/पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया एवं उक्त सम्बन्ध में टीमें गठित कर दोनों मृतकों के घरों के आसपास के सीसीटीवी फुटेज एवं मृतकों के बारे में जानकारियां प्राप्त की गई।

प्राप्त सीसीटीवी फुटेज का अध्ययन करने पर ज्ञात हुआ कि मृतिका हेमलता उपरोक्त दिनांक 26-11-23 की प्रातः 05.18 बजे रोज की भांति घर से काम करने हेतु निकली थी तथा मृतक संदीप मोहन धस्माना जो रोज की तरह सामान्यतः घूमने निकलते थे, सीसीटीवी फुटेज में अपने घर से समय 04.48 बजे निकलते हुए दिखाई दिये।दोनों शवों का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराया गया, जिसमें डॉक्टरों द्वारा दोनों की मृत्यु किसी भारी सरफेस के आब्जेक्ट से टकराने के कारण आई इंटरनल हेड इंजरी व इंटरनल चोटों के कारण होना बताया गया, जिससे प्रथम दृष्टया किसी वाहन की टक्कर से उक्त दोनों की मृत्यु होना प्रकाश में आया। घटना के सम्बन्ध में मृतकों के परिजनों द्वारा भी किसी पर कोई शक अथवा किसी से कोई रंजिश होना नहीं बताया गया।दिनांक 29 नवंबर 23 को मृतक संदीप धस्माना के भाई राजीव मोहन पुत्र स्वर्गीय मदन मोहन निवासी नेहरू ग्राम द्वारा थाना बसंत विहार पर अज्ञात वाहन द्वारा उनके भाई संदीप धस्माना को टक्कर मारकर उनकी मृत्यु कारित करने के सम्बन्ध में दी गई तहरीर के

आधार पर मु0अ0सं0: 231/23 धारा 279/304(ए) आईपीसी बनाम अज्ञात वाहन चालक पंजीकृत किया गया।

घटना के अनावरण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं उसके आसपास के लगभग 150 सीसीटीवी कैमरो को चेक किया गया एवं घटनास्थल के आसपास लगभग 200 लोगों से पूछताछ कर घटना के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। घटना स्थल के निरीक्षण में पुलिस को मौके से गाड़ी का एक टुकडा मिला जिसके सम्बन्ध में वाहनों के सर्विस सेंटर, मैकेनिक, शोरूम में जानकारी करने पर उक्त टुकडे का गाड़ी की हेडलाईट के अन्दर का पार्ट होना ज्ञात हुआ। जिस पर पुलिस टीम द्वारा दरु चौक एवं घटनास्थल स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेजों के अवलोकन करने पर घटना के समय उक्त मार्ग पर 02-03 वाहनों के जाने की फुटेज प्राप्त हुई।

घटना में अभियुक्त वाहन चालक को बसंत विहार पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस द्वारा उक्त वाहनों के सम्बन्ध में जानकारी करने पर उनमें से एक वाहन बोलेरो न्यू के होना ज्ञात हुआ सीसीटीवी फुटेज में उक्त वाहन की हेडलाइट दरु चौक पर सही पायी गयी एवं आगे राणा चौक के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करने पर भी सही पाया गया तथा वाहन का भौतिक सत्यापन करने पर भी वाहन सही हालत में मिला। इसके पश्चात उक्त समय पर एक अन्य वाहन सुपर कैरी लोडर का भी उसी मार्ग पर जाना ज्ञात हुआ, जिसके सम्बन्ध में जानकारी करने पर उक्त वाहन दुग्ध कम्पनी का होना तथा उसके द्वारा आसपास के क्षेत्रों में दूध सप्लाई करने की जानकारी मिली। उक्त वाहन के सम्बन्ध में जानकारी की गयी तो उक्त वाहन का नम्बरः यू0के0-07-सीडी-0554 होना तथा वाहन चालक का नाम शाहरुख होना प्रकाश में आया, जिसके चालक शाहरुख का नम्बर पुलिस द्वारा उक्त स्थानों से, जहाँ वाहन चालक द्वारा दूध सप्लाई किया जाता था, प्राप्त किया गया। वाहन चालक शाहरुख से सम्पर्क कर बुलाने पर उसके द्वारा अलग-अलग समय पर खुद को अलग-अलग स्थानों पर होना बताया गया, जिस पर अभियुक्त के मोबाइल की लोकेशन निकालने पर उसका उक्त स्थानों से भिन्न किसी अन्य स्थान पर होना पुलिस को ज्ञात हुआ।

वाहन चालक द्वारा लगातार अपनी लोकेशन के सम्बन्ध में पुलिस को गुमराह किया जा रहा था, जिस पर शक के आधार पर पुलिस द्वारा वाहन चालक शाहरूख को दिनांकः 29-11-23 को मय वाहन संख्या यू0के0-07-सीडी-0554 के हरबंसवाला टी-स्टेट के पास से पकड लिया गया। मौके से बरामद गाड़ी की हेडलाइट के पार्ट का गिरफ्तार अभियुक्त के वाहन से मिलान करने पर उक्त पार्ट बरामद वाहन का होना पाया गया।

अभियुक्त से पूछताछ में उसके द्वारा अपना नाम शाहरुख पुत्र सईद अहमद निवासी ग्राम रसूलपुर बेहट रोड थाना कोतवाली देहात सहारनपुर बताया घटना के सम्बन्ध में जानकारी करने पर अभियुक्त द्वारा बताया गया कि दिनांकः 26-11-23 को बसंत विहार क्षेत्र में दूध बाटते समय सुबह 5:30 बजे के लगभग दरू चौक से परवल सड़क मार्ग की ओर जाते समय सड़क पर चल रही एक महिला व एक पुरुष उसके वाहन की बाई तरफ की हेडलाईट खराब होने के कारण उसे दिखाई नहीं दिये तथा वाहन की चपेट में आ गये । टक्कर लगने के कारण महिला सडक किनारे नहर में तथा दूसरा व्यक्ति सडक के किनारे गिर गया। अभियुक्त द्वारा पकडे जाने के डर से सडक किनारे पडे उक्त व्यक्ति को भी सडक से खींचकर नहर में महिला के पास फेंक दिया और वहां से फरार हो गया। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 279 /304 ए भादवि को धारा 304/ 201 आईपीसी में तरमीम किया गया एवं वाहन को कब्जे पुलिस लेकर अभियुक्त शाहरुख उपरोक्त को अन्तर्गत धारा 304/201 भादवि में गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को माननीय माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।

उत्तराखंड : बर्फ के आगोश में बदरीनाथ केदारनाथ, 4 जिलों में बर्फबारी का अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 01 दिसंबर : प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में बारिश-बर्फबारी के चलते कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दो दिन मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य के सभी जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। पर्वतीय क्षेत्रों के तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। बीते दिन बदरीनाथ, केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। जिससे प्रदेशभर में पारा लुढ़क गया और ठिठुरन बढ़ गई।

प्रदेश में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। चारधाम के साथ ही उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों के अधिक ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी की संभावना है। गढ़वाल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में को सुबह से ही मौसम खराब रहा। दिन चढ़ते ही केदारनाथ में बर्फबारी होने लगी। इसी तरह बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, चैनाप घाटी, गोरसो बुग्याल, क्वारीपास सहित अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में रात जमकर हिमपात हुआ।

औली में भी बर्फबारी हुई, जिससे पर्यटक बेहद खुश हैं। पर्यटकों ने बर्फबारी का जमकर लुत्फ उठाया। पहाड़ों में बारिश-बर्फबारी से दिक्कतें बढ़ी हैं तो वहीं मैदानी इलाकों में कोहरे ने परेशान किया हुआ है। हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर और नैनीताल में सुबह के वक्त घना कोहरा छा रहा है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ है। हल्द्वानी-काठगोदाम से चलने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। ट्रेनें रद्द होने से यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

नैनीताल : साइबर फ्रॉड से सावधान, एक कॉल किया और अकाउंट से 36 हजार रुपये गायब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 01 दिसंबर : जमाना हाईटेक हो गया है और अपराधी भी। प्रदेश में साइबर क्राइम की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हम हर दिन ऐसे मामलों के बारे में सुनते-पढ़ते हैं, लेकिन इनसे सबक नहीं लेते। इस बार साइबर क्राइम की घटना नैनीताल के मल्लीताल में सामने आई है। जहां साइबर ठगों ने दो युवकों के खातों से 36,000 की रकम उड़ा ली।

युवकों ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।पीड़ित मनोहर नैनीताल के मल्लीताल में रहते हैं। पुलिस को दिए लेटर में उन्होंने कहा कि बीते रोज अज्ञात व्यक्ति ने खुद को कस्टमर केयर अधिकारी बताकर उनसे क्रेडिट कार्ड की लिमिट खत्म होने की बात कही। इसके बाद अन्य जानकारी मांगी। जानकारी देते ही उनके अकाउंट में सेंध लग गई। पीड़ित के क्रेडिट कार्ड से 33,000 और 1600 रुपये की ऑनलाइन खरीदारी कर ली गई। जब पैसे कटने के मैसेज फोन पर आने लगे तब कहीं जाकर पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। मनोहर की ही तरह मल्लीताल निवासी दीपांशु से भी अज्ञात शख्स ने 2000 रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने दोनों केस साइबर सेल में भेज दिए हैं। आप भी साइबर जालसाजों से बचकर रहें। कोई भी अगर कॉल पर आपके बैंक या आधार संबंधी डिटेल मांगे तो खुद से जुड़ी कोई जानकारी किसी को न दें। साइबर क्राइम की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

उत्तराखंड : 3 शहरों में अब दिल्ली की तरह कंट्रोल होगा ट्रैफिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 01 दिसंबर : देहरादून, हल्द्वानी व हरिद्वार ये तीनों शहर उत्तराखंड के सबसे महत्वपूर्ण शहरों शामिल हैं।

इन तीनों शहरों में जो एक बात सबसे कॉमन है, वो ये है कि यहां हर वक्त जाम लगा रहता है। पर्यटकों और वाहन चालकों को यहां जाम की वजह से कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उत्तराखंड पुलिस ने इस समस्या का समाधान ढूंढ लिया है। यहां दिल्ली की तर्ज पर अब ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से यातायात व्यवस्था कंट्रोल करने की तैयारी है। जीपीएस पर्यटकों व वाहन चालकों को बताएगा कि आगे जाम है या सड़क सुचारू है। पुलिस इसके लिए गूगल से एमओयू करने जा रही है। इन तीनों शहरों में जब भी जाम की स्थिति होगी या रूट डायवर्जन रहेगा तो लोकल पुलिस इसकी सूचना यातायात मुख्यालय को देगी, जहां से सूचना गूगल को भेजकर जीपीएस में अपडेट कराया जाएगा। अभी तक यह व्यवस्था सिर्फ दिल्ली में है। अब जीपीएस से तीन शहरों की यातायात व्यवस्था सुधारने की तैयारी है। यातायात पुलिस काम कर रही है। इस पर्यटन सीजन तक नई व्यवस्था लागू होने की उम्मीद है। बता दें कि हल्द्वानी व नैनीताल में पर्यटकों की आवाजाही से सड़क पर हर वक्त जाम की स्थिति बनी रहती है। हरिद्वार में भी यही स्थिति रहती है।

नई व्यवस्था लागू होने पर जीपीएस पर्यटकों को बता देगा कि कौन का रूट जाम से मुक्त है। यह भी बताएगा कि किस रूट को डायवर्ट किया गया है। इस व्यवस्था से राज्य में लोगों को सड़क पर चलते समय किसी तरह की परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

संक्षिप्त खबरें

एसडीएम से की अवैध पातन की शिकायत

विकासनगर। पछुवादून क्षेत्र में हरे पेड़ों के अवैध पातन और सरकारी जमीन पर कब्जों की शिकायत प्रतिष्ठा सेवा समिति ट्रस्ट ने एसडीएम से की है। बुधवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचे समिति के सदस्यों ने अवैध पातन और जमीन पर कब्जे करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए समिति के सदस्यों ने बताया कि पछुवादून की प्रतीतपुर बांसोवाला में 140 बीघा भूमि पर आम के हरे सौ पेड़ों का अवैध पातन किया गया है। फलदार पेड़ों को काटने के बाद अवैध प्लॉटिंग कर दी गई है। शंकरपुर हुकूमतपुर पंचायत में भी फलदार पेड़ों का अवैध पातन किया गया, जबकि रुद्रपुर पंचायत में शीशम के दर्जनों पेड़ों पर आरी चलाई जा रही है। बताया कि पछुवादून में हरे फलदार पेड़ों के अवैध पातन का सिलसिला लंबे समय से जारी है। इसके साथ ही छरबा और जीतगढ़ में खाले की जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में चंद्रशेखर सिंह, प्रवीण शर्मा, रोहित चौहान, सुमित कुमार आदि शामिल रहे।

श्रमदान कर दिया गंगा स्वच्छता का संदेश

ऋषिकेश। त्रिवेणी घाट पर स्कूली छात्र-छात्राओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गंगा घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं और छात्र-छात्राओं ने आम जन को गंगा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। गुरुवार को नगर निगम ऋषिकेश एवं केएल मदान प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में गंगा स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें नगर निगम ऋषिकेश के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर विनोद जुगलान ने नेतृत्व करते हुए गंगा घाटों की सफाई कर घाट परिसर में पड़े कूड़े को एकत्रित किया। इस अभियान में दून इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। इसके बाद छात्र-छात्राओं, कार्यकर्ताओं और घाट पर आए हुए पर्यटकों ने गंगा को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ भी ली। इस अवसर पर शिक्षिका पूजा कुकरेती, निशा मिश्रा, शिक्षक सागर कुमाईं, नगर निगम के सफाई निरीक्षक अभिषेक मल्होत्रा, हरपाल शर्मा, गुरमीत सिंह, महेंद्र सिंह कालरा, ओम प्रकाश राणा, धनंजय प्रसाद, आशीष लाम्बा, विशाल खैरवाल, विजेंदर कालरा, अंकुर कुमार आदि मौजूद रहे।

वोटर कार्ड बनवाने घर-घर जा रहे बीएलओ

ऋषिकेश। जिन लोगों का अभी तक वोटर लिस्ट में नाम नहीं जुड़ा है या वोटर कार्ड में नाम और पता गलत है, उन्हें अब इसके लिए कहीं दौड़ भाग करने की जरूरत नहीं है। निर्वाचन आयोग के विशेष अभियान के तहत बीएलओ इन दिनों घर-घर जाकर इन कार्यों को कर रहे हैं। विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत इन दिनों क्षेत्रीय बीएलओ प्रत्येक वार्ड के हर घर में पहुंच रहे है। इसमें नए मतदाताओं के मौके पर ही फार्म भरवाए जा रहे हैं। जबकि जिनके पहचान पत्र में नाम-पते सहित अन्य गलतियां हैं, उन्हें फार्म भरा कर जानकारी ली जा रही है। इस अभियान के तहत बीएलओ को घर-घर जाने को कहा गया है। अभियान सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलाया जा रहा है। इसके बाद शाम 5 बजे तक बीएलओ अपने बूथ स्थलों पर तैनात मिल रहे हैं। इसके अलावा बीएलओ लोगों को आनलाइन एप के माध्यम से भी आवेदन का तरीका समझा रहे हैं। ऋषिकेश तहतसीलदार चमन सिंह ने बताया कि सभी बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए कहा गया है। जो लोग फिर भी छूट जाएंगे, वे अपने बूथों पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। बताया कि यह अभियान नौ दिसंबर तक जारी रहेगा।

नैनीताल में बूंदाबादी के बाद बढ़ी ठंड

नैनीताल। नैनीताल में लगातार आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम में बदलाव जारी है। गुरुवार को दिन में कई बार बूंदाबांदी हुई। जिससे ठंड में काफी हद तक इजाफा हो गया है। इस दौरान स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटकों ने भी ठंड में गर्म कपड़े पहनने पड़े। बता दें कि नैनीताल में पिछले कई दिनों से ठंड बनी हुई है। बादल और कोहरे के बीच बूंदाबांदी भी जारी है। गुरुवार को सुबह से ही यहां कोहरा व बादल छाए रहे। दोपहर के समय मौसम खराब हुआ तो बूंदाबांदी ने दस्तक दी। जिसके बाद तापमान में गिरावट के साथ ही ठंड में इजाफा हो गया। जिला मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को नैनीताल में अधिकतम तापमान 12 जबकि न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सयस दर्ज किया गया। जबकि सुबह व शाम के समय पारे में और गिरावट हो रही है।

पालिकाध्यक्ष ने शासन की जांच रिपोर्ट में क्लीन चिट का दावा किया

नैनीताल। हाईकोर्ट के आदेश के बाद वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियां गंवा चुके नैनीताल के पालिकाध्यक्ष सचिन नेगी ने शासन की ओर से उन्हें क्लीन चिट दिए जाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनपर लगाए गए वित्तीय अनियमितता के आरोप शासन की जांच रिपोर्ट में गलत पाए गए हैं। रिपोर्ट में उन्हें वित्तीय अनियमितता से बहाली देते हुए टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी को टेक्निकल खामी बताया है। उन्होंने उत्तराखंड सरकार, हाईकोर्ट, पालिका कर्मियों व सभासदों का आभार जताया है। अक्तूबर में हाईकोर्ट ने नंदा देवी महोत्सव की टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पालिकाध्यक्ष के अधिकार सीज करने के साथ ही ईओ को निलंबित कर दिया था।

इस गांव का हर मर्द है खाना बनाने में माहिर बचपन से ही सिखाई जाती है ये कला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 दिसंबर : भारत अपने अलग-अलग खाने के लिए दुनियाभर में मशहूर है। यहां के लोग खाने के ही नहीं बल्कि उसे बनाने के भी बहुत शौकीन होते हैं। विभिन्न संस्कृतियों वाले इस देश में व्यजनों की भी काफी वैरायटीज हैं, जिन्हें खाने वालों को ऐसा लगता है कि बनाने वाले ने न सिर्फ मसाले और इंग्रीडियेट्स बल्कि इसमें अपने इमोशनंस का भी तड़का लगा दिया है। भारत की धरती पर एक से बढ़कर एक खाना बनाने वाले मौजूद है। लेकिन इस देश में एक ऐसा गांव भी है, जहां लगभग हर घर में एक बावर्ची है। यहां बचपन से ही मर्दो को खाना बनाने का ट्रेनिंग दी जाती है।

बावर्चियों का यह गांव तमिलनाडु के रामनाथपुर जिले में स्थित है, जिसका नाम कलायूर है। इस गांव के खाने की तारीफ पूरे भारत में की जाती है। यहां की हर गली में मसालों की खुशबू आती रहती है। यहां के हर घर में एक बावर्ची रहता है। भारत के सबसे अच्छे खाना बनाने वाले 200 मर्द भी यहीं रहते हैं। खाना बनाने के इस हुनर को लोग एक प्रथा के रूप में भी मानते है।

आज से करीब 500 साल पहले यहां पर एक रेड्डीयार नाम की जाति के लोग रहते थे, जो व्यापारी हुआ करते थे. इन्हें ऊंची जाती का दर्जा दिया जाता था। इनके साथ ही यहां पर नीची जाति के लोग भी रहते थे, जिन्हें वनियार कहा जाता था। इस जाति के लोग खाना बनाने में काफी माहिर थे क्योंकि इनके हाथ का बनाया हुआ खाना बाकी लोगों से बहुत बेहतर था। इसलिए इन्हें खाना बनाने का काम सौंपा गया। उस जमाने में किसानी फायदेमंद व्यापार नहीं था। इस कारण वहां के लोग खाना बनाने में रुचि रखने लगे। जिससे उन्हें नौकरी मिल जाए, तभी से यहां पर लोग खाना बनाने के शौकीन हो गए।

खाना बनाना एक कला है जो कि हर किसी के बस की बात नहीं होती। यह जानकर आपको हैरानी होगी की इस गांव में बचपन से ही लोगों को खाना बनाना सिखाया जाता है। सब्जियां तोड़ने से लेकर उन्हें पकाने तक सभी चीजें सिखाई जाती है, जैसे ही वे इस कला को सीखना शुरू करते है उसी के साथ ही उन्हें तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाना

सिखाया जाता है। लगभग 10 सालों तक यह ट्रेनिंग चलती है जिसके बाद वे खुद ही माहिर बावर्ची बन जाते हैं। आज के समय में यहां के बावर्ची करीब 6 महीने दक्षिण भारत की यात्रा करते हैं और अलग-अलग मामलों या समारोह में खाना बनाकर लोगों का दिल जीत लेते हैं।

491 करोड़ रुपये की भव्य शादी ने चौंकाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 1 दिसंबर , पेरिस में एक कार्यक्रम में, मैडेलाइन ब्रॉकवे की शादी को 'सदी की शादी' कहा जा रहा है। मैडेलाइन टेक्सास के फोर्ट वर्थ की 26 वर्षीय उद्यमी हैं। ब्रॉकवे परिवार, जो अपने सफल कार डीलरशिप व्यवसाय के लिए जाना जाता है, ने जैकब लैग्रोन के साथ मैडेलाइन के मिलन का जश्न मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उत्सव एक सप्ताह तक चला। वे असाधारण थे, जिनमें दुल्हन के लिए विवरण और शानदार पोशाक शामिल थी। यह जोड़ा बाहर गया, मेहमानों को निजी जेट से पेरिस ले गया और वर्सेल्स के प्रतिष्ठित पैलेस में उत्सव के कुछ हिस्सों की मेजबानी की।

पेरिस में हुई भव्य शादी में ग्लैमर बढ़ाने के लिए लोकप्रिय ब्रांड मैरून 5 का एक निजी प्रदर्शन भी शामिल था। शादी के जश्न

के लिए 59 मिलियन डॉलर यानी 491 करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम की मांग की गई। भव्य समारोह के वीडियो और चित्र तेजी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल गए, जिससे दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। इसके अलावा, यहां तक कि इवेंट प्लानर लॉरेन ज़िगमैन ने भी अपनी प्रशंसा व्यक्त की, जिसमें कहा गया कि मैडेलाइन ब्रॉकवे की शादी सोफिया रिची के व्यापक रूप से चर्चित उत्सव से भी आगे निकल गई।

एक सफल पारिवारिक व्यवसाय से एक उद्यमी के रूप में मैडेलाइन ब्रॉकवे की पृष्ठभूमि कुछ हद तक इस आयोजन की भव्यता को स्पष्ट करती है। उनके पिता,

रॉबर्ट बॉब ब्रॉकवे फ्लोरिडा में कोरल गैबल्स और कटलर बे में मर्सिडीज-बेंज डीलरशिप की देखरेख करते हुए, बिल नर्सरी मोटर्स में अध्यक्ष और सीईओ के रूप में कार्य करते हैं। जहां पेरिस में भव्य शादी ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है, वहीं वायरल शादी पर प्रतिक्रिया मिली-जुली हैं। जबकि कुछ लोग भव्यता से आश्चर्यचकित रह गए, दूसरों ने जोड़े द्वारा प्रदर्शित असाधारण पर सवाल उठाया। वीडियो पर टिप्पणियों में शामिल है, "और यह सिर्फ स्वागत रात्रिभोज था," "ऐसा क्यों लगता है कि वह खुद के लिए लोकप्रियता खरीदने की कोशिश कर रही है?" कई अन्य लोगों के बीच।

शादी ! एक दिन की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 1 दिसंबर , भारतीय समाज में शादियां किसी त्योहार से कम नहीं होती हैं तो वहीं विदेशों में विवाह बिना किसी पंडित और मंत्र-जाप के होती है, लेकिन इस दुनिया के एक शहर में विवाह को लेकर ऐसे अजब-गजब रीति-रिवाज हैं, जिन्हें देखकर आप आश्चर्यचकित रह जायेंगे। बात किसी और राष्ट्र की नहीं बल्कि हिंदुस्तान का पड़ोसी राष्ट्र चीन है, जहां के कुछ हिस्सों में विवाह सिर्फ़ 24 घंटे के लिए ही मान्य होती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन में गरीबी के कारण जो लोग विवाह के दौरान अपनी बहू को तोहफे और पैसे नहीं दे पाते हैं, उनकी विवाह नहीं होती है। ऐसे में वहां के लड़के यह अनोखी विवाह करते हैं। जिसकी वजह से उनके ऊपर शादीशुदा का ठप्पा लग जाता है।

चीन में के हुबेई प्रोविंस के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी शादियां होती हैं। यहां लड़के-लड़कियों से सिर्फ़ 24 घंटे के लिए ही विवाह करते हैं। इन शादियों की खास बात यह है कि इनके लिए कोई बड़ा प्रोग्राम नहीं होता और ना ही किसी मेहमान के लिए खाने-पीने की प्रबंध होती है। यह शादियां बहुत सीक्रेट

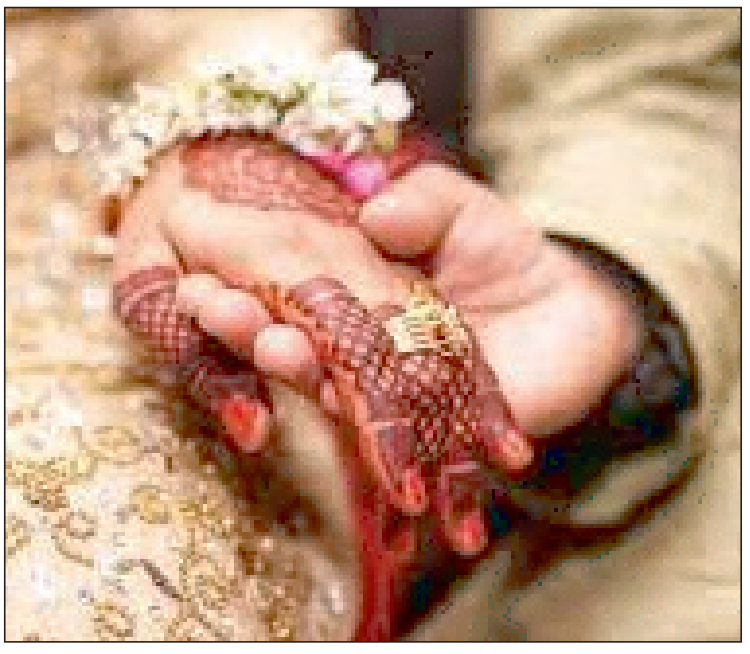

ढंग से की जाती हैं। इस तरह की शादियों का प्रचलन बीते 6 वर्षों में तेजी से बढ़ा है।

शादी के बाद लड़कियों का क्या होता है?

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि विवाह के बाद उन सभी लड़कियों का क्या होता है जो एक दिन के लिए दुल्हन बनती हैं, तो आपको बता दें कि एक दिन की दुल्हन लड़कियों को बहुत सारे पैसे दिए जाते हैं। इस तरह की शादियों का बिजनेस बहुत फैला हुआ है।

बास्केटबॉल के महिला और पुरुष वर्ग में दून बना चैंपियन

हरिद्वार। हरिद्वार में 21वीं राज्यस्तर अंडर 18 महिला और पुरुष वर्ग में देहरादून की टीम चैंपियन बनी। बास्केटबॉल प्रतियोगिता के अंतिम दिवस पर फाइनल में देहरादून ने दोनों ही वर्गों में हरिद्वार की टीम को मात दी। जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन हरिद्वार के सचिव संजय चौहान ने बताया की बालिका वर्ग में हुए मुकाबले में देहरादून ने 36 के मुकाबले 33 से हरिद्वार को पराजित किया। वहीं पुरुष वर्ग में देहरादून ने हरिद्वार को 42 के मुकाबले 27 अंकों से पराजित किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि बच्चों को खेलों में अधिक से अधिक प्रतिभागिता करनी चाहिए। आज देश खेलों में पूरे विश्व में अपना नाम कर रहा है और कहीं ना कहीं यह प्रतिभाएं हरिद्वार जैसे छोटे शहरों में भी छिपी हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने बच्चों को खेल के प्रति उत्साहित किया। बास्केटबॉल एसोसिएशन उत्तराखंड के सचिव मनदीप ग्रेवाल भी पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित रहे। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने मंच संचालन किया। इस मौके पर सुखबीर सिंह, आलोक चौधरी, शिवम आहूजा, इंद्रेश, मयंक कंडारी, लक्ष्य शर्मा आदि सभी ने अहम भूमिका निभाई।

राज्य सरकार हार के भय से कर रही निकाय चुनावों को टालने का कामः बिट्टू कर्नाटक

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में आयोजित प्रेसवार्ता में उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिट्टू कर्नाटक ने कहा कि आगामी दो दिसम्बर 2023 को उत्तराखंड में निकायों के कार्यकाल पूरे हो रहे हैं और निकायों, नगरपालिकाओं में सरकार प्रशासकों की नियुक्ति कर रही है जो स्पष्ट करता है कि सरकार की मंशा निकाय चुनावों को टालने की है। उन्होंने कहा कि भाजपा समझ चुकी है कि आज की इस महंगाई, बेरोजगारी और अवरूद्ध विकास से जनता का भाजपा से मोहभंग हो चुका है और यदि निकाय चुनाव होते हैं तो जनता भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगी। इसी डर के कारण भाजपा उत्तराखंड में निकाय चुनाव करने से कतरा रही है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव जनता का लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन भाजपा सरकार लगातार जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन करने में लगी है। कर्नाटक ने कहा कि यदि भाजपा सरकार ने विकास किया होता तो आज विकास संकल्प यात्रा के माध्यम से भाजपा को गली गली अपना रथ ले जाकर ढिंढोरा पीटने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

यूनिक हेयर कटिंग का शौक युवक को पड़ा भारी, लाखों का बिल देखकर उड़े होश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 दिसंबर : आजकल युवाओं में अलग-अलग तरह की स्टाइलिश हेयर कट रखने का क्रेज खूब देखने को मिलता है। लोग अपने हेयरकट को हर ट्रेंडिंग फैशन के साथ चेंज करते रहते हैं। यही वजह है कि लोग स्टाइलिश और यूनिक हेयरकट करवाना पसंद करते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी सुना है कि एक शख्स हेयर कट के लिए इतना क्रेजी था कि इसके लिए उसे लोन लेना पड़ा। आपको यह सुनकर भरोसा न हो लेकिन हाल ही में ऐसी घटना घटी है। जिसमें एक शख्स ने हेयर कट के लिए 1 लाख 14 हजार रुपये की भारी भरकम रकम चुकाई और इसके लिए उसे लोन लेना पड़ गया।

साउथ चाइना मॉर्निंग की रिपोर्ट के अनुसार ये घटना चीन के ज़ेंगजियांग प्रांत में एक व्यक्ति के साथ घटित हुई है जो वर्कर के तौर पर एक रेस्टोरेंट में काम करता था। व्यक्ति के दोस्त ने उसे 20 युआन यानी 250 रुपये का गिफ्ट कार्ड दिया जो बीजी किंग हेयर सैलून का था। इस कार्ड को बेसिक हेयरकट के लिए यूज किया जा सकता था। जब यह शख्स इस कार्ड को लेकर हेयर कटिंग के लिए सैलून पहुंचा तो सैलून ने बताया कि उसे हेयरकट से पहले हेड मसाज दी जाएगी। इसके बाद उसके फेस पर 500 रुपये वाला फेसपैक लगाया। इस बीच सैलून ने व्यक्ति को 5000 युआन यानी 57 हज़ार के गिफ्ट कार्ड को खरीदने के लिए भी कहा।

इन सब मसाजों के चलते व्यक्ति के चेहरे से चश्मा भी हटा दिया गया था जिस वजह से वह ठीक से प्राइस लिस्ट भी नहीं देख पाया। फिर हेयरकट करवाने से पहले सैलून की तरफ से व्यक्ति को बिल और कोट देखने के लिए कहा पर उसने इस पर ध्यान नही दिया। हेयरकट के दौरान उसके सिर पर कई तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया गया जिनका प्राइस उसके गिफ्ट कार्ड को पार कर गया। जब सैलून ने शख्स को हेयरकटिंग के लिए 1 लाख 14 हजार रुपये का बिल थमाया तो उसके होश उड़ गए। शख्स ने सैलून वालों को बताया कि उसके पास बिल चुकाने के लिए इतने पैसे नहीं है तो सैलून ने व्यक्ति का मोबाइल फोन जब्त कर लिया और 57000 हजार रुपये का लोन देकर शख्स से बिल वसूला गया। शख्स का कहना था की वे इस बीच काफी डर गया था जिस वजह से वो कुछ बोल नहीं पाया। इसके बाद शख्स ने अपने पैसे सैलून वालों से वापस लेने के लिए मीडिया से मदद मांगी।

उत्तराखंड में चीन जैसे खतरे की आहट, दो बच्चों में मिले इन्फ्लूएंजा फ्लू के लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 01 दिसंबर : चीन में बच्चों में फैले निमोनिया और इन्फ्लूएंजा ने हर देश की चिंता बढ़ाई हुई है। उत्तराखंड सरकार ने भी विशेष सतर्कता बरतते हुए गाइडलाइन जारी की है। अस्पतालों से इलाज के सभी बंदोबस्त करने को कहा गया है। इस बीच बागेश्वर में दो बच्चों में इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षण मिले हैं। दोनों बच्चों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। बीते दिन जिला अस्पताल में दो बच्चों को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ थी।

चीन में इन दिनों माइक्रो प्लाज्मा, निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू फैला है, जिसे लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। बागेश्वर में दो बच्चों में बीमारी के लक्षण पाए गए, जिसके बाद दोनों के सैंपल जांच के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी भेजे गए हैं। एसीएमओ डॉ. देवेश चौहान ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बताया कि जांच रिपोर्ट चार-पांच दिन में मिल जाएगी। इन्फ्लूएंजा से निपटने के लिए भी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बागेश्वर के जिला अस्पताल के सभी 68 बेड ऑक्सीजन पाइप लाइन से जुड़े हैं। इस वायरस जनित बीमारी में पांचवीं स्टेज में ऑक्सीजन की जरूरत होती है।

जिला अस्पताल में 650 एलपीएम के दो ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट स्थापित हैं। कांडा और कपकोट सीएचसी में भी ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगे हुए हैं। सीएमओ डॉ. आरसी पंत ने बताया कि आइसोलेशन बेड, वार्ड, ऑक्सीजन बेड, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर पर्याप्त है। अगर जरूरत पड़ी तो अलग से आईसीयू वार्ड बनाया जाएगा। उत्तराखंड में भी स्वास्थ्य विभाग ने निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने सभी डीएम और सीएमओ को जिला स्तर पर निगरानी रखने के दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में निमोनिया और इन्फ्लूएंजा के लक्षणों पर नजर रखी जाए। साथ ही अस्पतालों में ऑक्सीजन, आईसीयू बेड, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

हरिद्वार में बन रहा है हाईटेक मॉल यहां नजर आएगा मिनी भारत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 01 दिसंबर : उत्तराखंड का हरिद्वार जिला तीर्थाटन के लिए प्रसिद्ध है। हर साल यहां लाखों की तादाद में श्रद्धालु पहुंचते हैं। अब यहां आने वाले श्रद्धालु हरिद्वार में घूमते हुए देश के हर राज्य का मशहूर हस्तशिल्प खरीद सकेंगे। यहां एक ही छत के नीचे देश के हर राज्य का मशहूर हस्तशिल्प और कपड़े खरीददारी के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण यहां एकता मॉल का निर्माण करने जा रहा है। हरिद्वार-दिल्ली हाईवे पर ज्वालापुर में बनने वाला ये मॉल अनेकता में एकता की मिसाल होगा।

जहां देश के सभी राज्यों की एक-एक दुकान रहेगी। मॉल बनाने में 164 करोड़ की लागत आएगी। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने बताया कि निर्माण में 136 करोड़ रुपये केंद्र सरकार और बाकी के 28 करोड़ रुपये राज्य सरकार खर्च करेगी। एक से डेढ़ साल में इसका काम पूरा हो जाएगा। एकता मॉल के माध्यम से भारत के कारीगरों को उचित बाजार मुहैया कराया जाएगा। यहां आने वाले लोग मॉल में उत्तराखंडी संस्कृति के भी दर्शन कर सकेंगे।

मॉल में उत्तराखंड के पारंपरिक उत्पाद बिक्री के लिए रखे जाएंगे। मनोरंजन का भी हर इंतजाम किया जाएगा। यहां दो ऑडिटोरियम बनेंगे। बहुमंजिला मॉल में ओपन सिनेमा हॉल भी बनाया जाएगा। जिसमें किसी भी तल से लघु नाटिका या फिल्म देखी जा सकेगी। बता दें कि देश के हर राज्य में एक-एक एकता मॉल बनाया जाना है। इसके लिए उत्तराखंड में पहले देहरादून में जगह की तलाश हुई, लेकिन जगह नहीं मिली। बाद में ऊधमसिंहनगर की भी चर्चा हुई, लेकिन अब यह मॉल हरिद्वार में बनाया जाएगा। इसके लिए रानीपुर झाल के समीप जगह भी चिह्नित कर ली गई है। डीपीआर से लेकर डिजाइन तक फाइनल हो चुका है। कैबिनेट की मुहर लगते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

रिपोर्ट का खुलासा

डॉक्टरों की ही नहीं बिस्तरों की भी भारी किल्लत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , मीडिया रिपोर्ट की माने तो देश के अस्पतालों में डॉक्टरों के साथ अस्पतालों में बिस्तरों (बेड) की भी भारी किल्लत है। दुनियाभर में जहां प्रति 1,000 व्यक्ति पर औसतन तीन बेड हैं, वहीं भारतीय अस्पतालों में सिर्फ 1.3 बेड उपलब्ध हैं। यानी हर एक हजार व्यक्ति पर 1.7 बेड कम हैं। वैश्विक औसत की बराबरी करने के लिए भारतीय अस्पतालों में 24 लाख और बेड की जरूरत है। रियल एस्टेट कंसलटेंट फर्म नाइटफ्रैंक की रिपोर्ट के मुताबिक देश में अस्पताल और हेल्थकेयर सेंटर विकसित करने के लिए 200 करोड़ वर्ग फुट जमीन की जरूरत है तभी देश के 142 करोड़ लोगों को उचित स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। देश में करीब 70,000 अस्पताल हैं। इनमें 63 फीसदी प्राइवेट और 37 फीसदी सरकारी हैं।

देश में प्रति हजार व्यक्ति 1 डॉक्टर भी नहीं

देश में प्रति 1000 मरीज पर एक से भी कम 0.9 डॉक्टर हैं। चीन में यह संख्या दो और ब्रिटेन में छह है। अमरीकी नागरिकों को अपनी जेब से इलाज के कुल खर्च का सिर्फ 11.3 फीसदी खर्च करना होता है, जबकि पर्याप्त सरकारी अस्पतालों के अभाव में औसत भारतीयों को अपनी जेब से करीब 55 फीसदी खर्च करना होता है। पिछले 10 साल में देश का हेल्थ केयर बाजार सालाना 18 फीसदी की दर से बढ़ा है। मेडिकल टूरिज्म भी सालाना 30 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, क्योंकि विकसित और अन्य देशों के मुकाबले भारत में गुणवत्तापूर्ण इलाज बेहद सस्ता है। रिपोर्ट के मुताबिक देश के हेल्थकेयर सेक्टर और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं।

-03 हॉस्पिटल बेड प्रति 1,000 लोगों पर ग्लोबल औसत, भारत में 1.3 बेड और सिर्फ 0.9 डॉक्टर।

-70,000 अस्पताल देश में। इनमें 63 फीसदी प्राइवेट और 37 फीसदी सरकारी।

-2.1 फीसदी जीडीपी का हेल्थ केयर पर खर्च किया केंद्र सरकार ने 2022-23 में? यह 2013-14 में 1.2 फीसदी था।

-38 अरब डॉलर का वैश्विक निवेश आया हेल्थकेयर से जुड़े रियल एस्टेट में।

प्रति 1,000 व्यक्ति पर बेड-डॉक्टरों की संख्या

देश बेड डॉक्टर

जापान 13 2.5
चीन 4.3 2.0
अमरीका 2.9 2.6
ब्रिटेन 2.5 5.8
भारत 1.3 0.9

इलाज में अपनी जेब से खर्च

देश खर्च

अमरीका 11.3 फीसदी
ब्रिटेन 17.1 फीसदी
चीन 35.2 फीसदी
जापान 12.9 फीसदी
भारत 54.8 फीसदी

ज्यादा अस्पतालों की जरूरत इसलिए...

- देश में 65 साल से अधिक उम्र वाले लोगों की संख्या अगले 10 से 20 साल में तेजी से बढ़ेगी। अस्पतालों पर दबाव बढ़ेगा।

-भारत में हृदय संबंधी और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। विशेष स्वास्थ्य देखभाल की मांग बढ़ेगी।

- प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि। बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता और स्वास्थ्य बीमा की पहुंच भारत में स्वास्थ्य सेवा उद्योग की मांग बढ़ाएगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान शहर चमकाने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 दिसंबर , मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने 8 एवं 9 दिसम्बर, 2023 को देहरादून में आयोजित हो रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को सभी तैयारियों समय से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिट के दौरान आयोजित हो रहे प्रत्येक इवेंट की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान शहर के यातायात एवं सुरक्षा से सम्बन्धित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि यातायात के कारण देश-विदेश से आ रहे निवेशकों के साथ ही आमजन को परेशानी न झेलनी पड़े इसका ध्यान रखा जाए। इसके लिए अन्य जनपदों से भी यातायात पुलिस की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के आसपास पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के दौरान निवेशकों को आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराया जा सकता है।* उन्होंने समिट से पहले शहर के सौन्दर्यीकरण कार्य को पूरा करने के साथ ही सड़कों की स्थिति दुरूस्त किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बिजली, फाईबर लाइन्स एवं केबल टीवी आदि की तारों को अंडरग्राउण्ड किए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, शैलेश बगोली, अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. वी. षणमुगम, विनोद कुमार सुमन एवं उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सरकार की नीति और योजनाओं को बूथ तक ले जाए युवा : भट्ट

हरिद्वार। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रदेश सरकार की नीतियों और सरकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक ले जाएं। उन्होंने सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों के बचाव के लिए केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की धामी सरकार के कार्यों की चर्चा कर आभार प्रकट किया। यह बातें उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही।

गुरुवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तराखंड प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक और मंडल सशक्तीकरण प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन हरिद्वार स्थित निष्काम सेवा ट्रस्ट के हॉल में हुआ। बैठक का उद्घाटन भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक रावत, भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और भाजयुमो प्रभारी शैलेंद्र बिष्ट ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। शशांक रावत ने सभी अतिथियों और पदाधिकारियों का स्वागत और लोकसभा चुनाव में युवा मोर्चा की भागीदारी के बारे में चर्चा की।

संक्षिप्त खबरें

पालिकाध्यक्ष सचिन नेगी की रिव्यू याचिका खारिज

नैनीताल। हाईकोर्ट ने नैनीताल नगर पालिकाध्यक्ष सचिन नेगी की रिव्यू याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट में गुरुवार को सरकार ने भी जांच रिपोर्ट पेश की। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि टेंडरों में पत्रावली स्पष्ट नहीं है, आधार और लागत का आंकलन नहीं करना वित्तीय अनिमितताओं और उत्तराखंड अधिप्राप्ति नियमावली-2017 का सीधा उल्लंघन है। वहीं प्रमाण पत्र भी सही से नहीं देखे जाने पर भी वित्तीय अनिमितताएं दिखती हैं। उधर, दो दिसंबर को पालिकाध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। संबंधित तथ्यों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल एवं न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की स्पेशल बेंच ने रिव्यू याचिका निरस्त कर दी। जबकि निलंबित अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल को अपना निलंबन समाप्त करने के लिए सक्षम अथॉरिटी के समक्ष प्रत्यावेदन देने को कहा है। कहा, सक्षम अथॉरिटी यदि उचित समझे तो निलंबन वापस ले सकती है। मामले के अनुसार नैनीताल के फ्लैट्स मैदान में नंदा देवी महोत्सव के दौरान दुकानों व झूले संचालन के लिए की गई निविदा प्रक्रिया के खिलाफ काशीपुर निवासी कृष्णपाल भारद्वाज ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने इस टेंडर को नियमविरुद्ध बताया। मामले में ठेकेदार रमेश सजवाण को देहरादून के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की ओर से जारी वार्षिक टर्नओवर के प्रमाण पत्र पर भी सवाल उठाए। इस याचिका की सुनवाई में हाईकोर्ट ने फ्लैट मैदान में झूलों के टेंडर आवंटन में प्रथम दृष्टया नियमों की अवहेलना मानते हुए झूले के संचालन को बंद करा दिया और पालिकाध्यक्ष सचिन नेगी के अधिकार सीज करते हुए अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल को निलंबित कर दिया था। जिसके खिलाफ पालिकाध्यक्ष ने रिव्यू याचिका दायर की थी।

अनियंत्रित पिकअप की चपेट में आने से दो वाहन क्षतिग्रस्त

नैनीताल। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रातीघाट के पास गुरुवार शाम हल्द्वानी से खैरना की तरफ जा रही एक पिकअप वाहन के अचनाक ब्रेक फेल हो गए। इससे वाहन आगे चल रहे दो अन्य वाहनों से टकरा गया। हादसे में सभी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही वाहनों में सवार किसी भी यात्री को बड़ी चोट नहीं आई, लेकिन हादसे के बाद सडक़ पर लंबा जाम लग गया। जिसके बाद यात्रियों ने इसकी सूचना खैरना पुलिस को दी। सूचना के बाद चौकी से पुलिसकर्मी प्रयाग जोशी, राजेंद्र सती मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह यातायात सुचारू किया।

सडक़ों पर आवारा पशुओं को छोडऩे के मामले में नगर आयुक्त तलब

नैनीताल। हाईकोर्ट ने हल्द्वानी शहर समेत प्रदेश के अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर लावारिस पशुओं को छोड़े जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने नगर आयुक्त हल्द्वानी को 24 घंटे यानि एक दिसंबर को कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कोर्ट ने पूछा है कि आपने इस समस्या के समाधान करने के लिए क्या निर्णय लिए हैं। प्लान लेकर आएं। इससे पूर्व बीते 22 नवंबर को कोर्ट ने नगर निगम हल्द्वानी से पूछा था, कि जनहित याचिका में उठाए गए बिंदुओं पर अगली तिथि तक अपना स्पष्ट जवाब पेश करें, लेकिन गुरुवार को नगर निगम की ओर से स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। जिस पर कोर्ट ने नगर आयुक्त को तलब किया है। मामले के अनुसार हल्द्वानी निवासी अधिवक्ता डॉ। चंद्रशेखर जोशी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा है, कि हल्द्वानी शहर समेत राज्य की व्यस्ततम सडक़ों पर लावारिस गाय और बैल छोड़ दिए गए हैं। इसके कारण कई दुर्घटनाएं हो रही हैं। इनके आपस में लडऩे से एक युवक की सडक़ दुर्घटना में मौत तक हो गई। यही नहीं इन पशुओं के कारण स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार सडक़ों पर काफी देर तक जाम की स्थिति भी बनी रहती है। जबकि लावारिस पशुओं को सडक़ों पर छोड़े जाने के मामले में उच्च न्यायालय समेत सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित निकायों को कई दिशा निर्देश जारी हैं, लेकिन अभी तक निकायों की ओर से उक्त निदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। जिसकी वजह से कई लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। जनहित याचिका में कोर्ट से प्रार्थना की गई, कि राज्य की सडक़ों से लावारिस पशुओं को हटाया जाए। आरोप लगाए गए कि संबंधित विभागों की ओर से शिकायत करने पर लावारिस पशुओं को उठाकर सल्टर हाउस में डालने के बजाय उन्हें दूसरे क्षेत्र छोड़ा जा रहा है।

संपादकीय

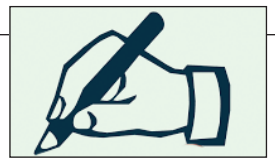

मौत की सुरंगें

उत्तराखंड की उत्तरकाशी सुरंग के निर्माण से जुड़ी अनियमितताओं और अहम शर्तों, प्रावधानों की अनदेखी पर सवाल करना उतना ही उचित है, जितना फंसे 41 मजदूरों की जिंदगियां बचाना जरूरी था। चूंकि सर्वोच्च अदालत उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में सुरंग बनाने और मार्गों के विस्तार के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसके फैसले आते रहे हैं कि निर्माण-कार्य, मानकों की तुलना में, घटिया स्तर के हैं, लिहाजा पहाड़ और मानवीय जीवन लगातार खतरे में बने रहे हैं। सर्वोच्च अदालत ने फैसलों के अलावा, विशेषज्ञ समितियां भी बनाईं, लेकिन सभी के निष्कर्ष कमोबेश यही रहे हैं। अलबत्ता वे पहाड़ में निर्माण और खुदाई के खिलाफ नहीं थीं। उत्तराखंड में औसतन 6 करोड़ पर्यटक सालाना जाते हैं, जिनसे करीब 15,000 करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है। उनमें काफी पर्यटक चारधाम की यात्रा भी करते हैं, लिहाजा वे सुरंगों को पार करके ही केदारनाथ, बद्रीनाथ तक जा सकते हैं। क्या इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी को जोखिम में धकेला जा सकता है? विवादित सुरंग के संदर्भ में सबसे अहम सवाल 'आपातकालीन निकास मार्ग' का है। विपक्ष ने भी ये सवाल उठाए हैं। वे गलत नहीं हैं। फंसे हुए मजदूर बाहर निकाले जा चुके हैं। 'चूहा खनिकों' को पुरस्कार के तौर पर 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की जा चुकी है। विपक्ष की राजनीति को एक तरफ रख भी दें, तो सुरंग की योजना से स्पष्ट हो जाता है कि ऐसे 3 निकास-मार्ग बनाए जाने थे, लेकिन कंपनी ने आज तक एक भी मार्ग और द्वार नहीं बनाया है। विशेषज्ञों ने भी निरीक्षण में अनदेखी बरती है, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाए। यह तथ्य भी उजागर हुआ है कि सुरंग परियोजना की डीपीआर और निर्माण-कार्य में गहरे अंतर हैं। फिलहाल निर्माण कंपनियां और केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्रालय आदि खामोश हैं। यदि सरकारी वेबसाइट पर निर्माण-योजना को पढ़ें, तो स्पष्ट होगा कि यह तय किया गया था कि सुरंग, बाहर निकलने का रास्ता और अप्रोच रोड 8 जुलाई, 2022 तक बन जाएंगे। इस परियोजना पर काम जुलाई, 2018 में शुरू किया गया था, लेकिन अभी तक करीब 56 फीसदी काम ही हो पाया है। उस पर मजदूरों के फंसने का हादसा हो गया। कुछ मजदूरों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ संवाद के दौरान यह कहा है कि अब वे उस सुरंग में काम नहीं करेंगे। यदि वाकई ऐसा होता है, तो यह परियोजना लटक कर रह सकती है, क्योंकि मजदूरों की मनोस्थिति जंगल में आग की तरह फैलती है। बहरहाल अगली डेडलाइन मई, 2024 तय की गई है, जब देश में लोकसभा चुनाव होंगे। हकीकत यह है कि सुरंग में बचाव का कोई भी रास्ता आज तक नहीं बनाया गया है। कंपनी की अपनी दलील है कि इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि दोनों लेन के बीच दीवार है। उसमें 'आपातकालीन निकास द्वार' का प्रावधान है। एक से दूसरी तरफ आया-जाया जा सकता है, लेकिन यह भी हकीकत सामने आई है कि सुरंग में कहीं भी निकास-द्वार अभी तक नहीं बनाया गया है। सुरंग के खोदे गए हिस्से में भी 'सुरक्षा-पाइप' नहीं डाले गए हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

आपके होश उड़ा देगा मियां-बीवी का आसमानी झगड़ा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 दिसंबर , इमरजेंसी लैंडिंग के बारे में आप जरूर जानते होंगे. इसे लेकर आपने कोई खबर पढ़ी या देखी होगी. है. म्यूनिख से बैंकॉक जा रही एक लुफ्थांसा फ्लाइट को बुधवार को दिल्ली में आपात लैंडिंग करनी पड़ी. ऐसा इसलिए करना पड़ा कि विमान में बेठे एक दंपत्ति के बीज जबरदस्त झगड़ा हो गया.लुफ्थांसा की फ्लाइट नंबर एलएच 772 को सुबह 10.26 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर उतारना पड़ा. इससे पहले विमान के पायलट ने एटीसी से संपर्क कर उन्हें 'परिस्थिति और संभावित उत्पाती यात्री' के बारे में सूचना दी थी.

पति-पत्नी के झगड़े से फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

सूत्रों ने बताया कि विमान में सवार एक जर्मन व्यक्ति और उसकी थाई पत्नी के बीच कहासुनी होने के बाद विमान में स्थिति बिगड़ गई जिसके बाद आईजीआई एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मांगी गई जो दे दी गई.दोनों के बीच झगड़ से परेशान पायलट ने पहले पाकिस्तान मैं लैंडिंग की इजाजत मांगी थी. लेकिन इसकी परमिशिन नहीं मिली. इसके बाद दिल्ली एयरपोर्ट से संपर्क साधा गया.

पहले हुई बहस फिर बढ़ गया झगड़ा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच पहले बहस हो रही थी जो धीरे-धीरे झगड़े में बदल गई. पत्नी ने अपने पति के बर्ताव के बारे में पायलट से शिकायत की और कहा कि उसे धमकाया जा रहा है. वह चाहती थी पायलट झगड़े में बीच-बचाव करे. बढ़ते झगड़े के बाद आखिरकार विमान के क्रू मेंबर्स ने डायवर्ट करने का फैसला किया.दिल्ली एयरपोर्ट की एविएशन सिक्योरिटी ने एएनआई को बताया, 'पति-पत्नी के बीच लड़ाई का कारण अभी तक पता नहीं चला है, लेकिन पति-पत्नी के बीच लड़ाई के कारण फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा.'

बचाव टीम को कांग्रेस विधायक देंगे 1 माह का वेतन : यशपाल आर्य

- उत्तराखंड नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य की शानदार पहल
- श्रमिकों को मुआवजा बढ़ाकर देने की मांग
- रैट माइनर्स को मिले प्रोत्साहन और सुविधा - यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 दिसम्बर , नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि , सिलक्यारा की सुरंग से 41 मजदूरों को सुरक्षित निकालना देश के श्रमिकों की कार्यकुशलता और देशवासियों की जान को बचाने के लिए अपनी जान को जोखिम में डालने के जज्बे से संभव हुआ है । उन्होंने कहा कि , रैट होल माइनर्स सहित बचाव में लगे सभी महत्वपूर्ण तकनीकी कार्मिकों को उत्तराखंड कांग्रेस के सभी विधायक एक महीने का बेतन पारितोषिक के रूप में देते हुए सम्मानित करेंगे । नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , इन 16 रातों और 17 दिनों में देश और प्रदेश की आपदा प्रबंधन की परीक्षा हो रही थी। उन्होंने कहा कि हर देशवासी प्रार्थना कर रहा था कि , किसी तरह सुरंग में फंसे कार्मिक सुरक्षित बाहर आ जाएं।

उन्होंने कहा कि सिलक्यारा दुर्घटना से यह भी पता चल गया है कि , सरकार और आपदा प्रबंधन कर रहे प्रतिष्ठित संगठनों के 5 प्लानों भारी मशीनरी और करोड़ों रुपयों से जो काम नहीं हो पाया उस मिशन में अंतिम सफलता रैट होल माइनर्स , अन्य अनाम श्रमिक और साधारण तकनीकी कार्मिकों के कारण मिली है। इन सभी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने साथी मजदूरों की जान बचाई है। यशपाल आर्य ने कहा कि, सरकार द्वारा रैट होल माइनर्स

को दिया गया 1 लाख का पारितोषिक बहुत कम है सरकार को इसे बड़ाने के साथ इन कर्मवीर रैट होल माइनर्स के लिए अन्य सुविधाओं की घोषणाएं भी करनी चाहिए।

निर्माणाधीन टनलों का सेफ्टी ऑडिट करवाये सरकार : सूर्यकान्त धस्माना

- सभी श्रमिकों को मिले दस लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि
- रैट होल ड्रिलर्स व बचाव टीम सदस्यों को सरकार करे सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 1 दिसंबर , उत्तराखंड कांग्रेस के सीनियर उपाध्यक्ष और आक्रामक वक्ता एआईसीसी मेंबर सूर्यकान्त धस्माना ने आशंका जताई है क़ी नवयुग कम्पनी को क्लीन चिट की तैयारी तो नहीं की जा रही है ? सिलक्यारा टनल में आई आपदा में फंसे 41 मजदूरों के सफल रैस्क्यू ऑपरेशन के बाद रैस्क्यू आपरेशन की सफलता के लिए अभियान में जुटे सभी लोगों व सुरक्षित निकल आये श्रमिकों को बधाई देने के साथ ही कांग्रेस पार्टी ने केंद्र व राज्य सरकार पर आपदा के पूर्वानुमान न लगा पाने व उसकी कोई भी तैयारी न रखने का आरोप जड़ते हुए कहा कि इससे बड़े आश्चर्य की बात क्या हो सकती है कि जिस प्रदेश में 900 किलोमीटर की चार धाम आल वेदर रोड महापरियोजना चल रही हो, जहां ऋषिकेश से लेकर कर्णप्रयाग तक 110 किलोमीटर की दर्जनों टनल वाली रेल परियोजना निर्माणाधीन हो और जिस प्रदेश में दर्जनों पन बिजली परियोजनाएं जिनमें भूमिगत टनल बन रहीं हैं उस प्रदेश के पास टनल में रैणि (चमोली) या सिलक्यारा टनल जैसी आपदा से निपटने के कोई इंतजाम न हों।

सीनियर उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि राज्य सरकार की आपदा प्रबंधन की तैयारियों की पोल रैणी व सिलक्यारा आपदाओं ने पूरी तरह खोल कर रख दी है। धस्माना ने कहा कि रैणि में तो किसी को बचाया ही नहीं जा सका किंतु

सिलक्यारा में सेना और रैट होल ड्रिलर्स की समझदारी से जो काम 16 दिनों में संभव नहीं हो पाया वो काम रैट होल ड्रिलर्स ने 24 घण्टों में कर दिखया। प्रदेश उपाध्यक्ष धस्माना ने कहा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री अगर दूसरे दिन ही मौके पर पहुंच गए होते तो जो काम आठवें दिन शिर हुआ वो दूसरे दिन ही हो जाता और यह रैस्क्यू आपरेशन आधे से भी कम समय में पूरा हो जाता।

सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि रैस्क्यू आपरेशन की सफलता के शोर में सिलक्यारा आपदा के असली दोषी बचने नहीं चाहिये जिनकी गलती के कारण यह सब हुआ। धस्माना ने कहा कि कांग्रेस केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री से व राज्य सरकार से यह पूछना चाहती है कि सिलक्यारा टनल की स्वीकृति के उस प्रस्ताव जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली बैठक में पास हुआ था जिसमें स्पष्ट रूप से ₹एस्केप पैसेज₹ के जिक्र था उस पर अमल क्यों नहीं किया गया ? सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि टनल बंनाने वाली नवयुग कम्पनी के खिलाफ अब एस्केप पैसेज न बनाने की लापरवाही पर एफआईआर क्यों नहीं कि गयी। धस्माना ने कहा कि रैस्क्यू आपरेशन में नवयुग कम्पनी की क्या भूमिका रही यह बात भी महत्वपूर्ण है व इस कम्पनी के मालिक कौन हैं व इसकी क्या पृष्ठभूमि है यह भी जनता को पता होनी चाहिए।

एआईसीसी सदस्य धस्माना ने कहा कि 18 दिन देश की एक बड़ी परियोजना में आई मानव जनित आपदा में फंसे लोगों को जो ज़िंदगी और मौत की जंग में जीत कर जीवित निकले हैं उनको राज्य सरकार द्वारा मात्र एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दिया जाना उचित नहीं है, धस्माना ने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह नवयुग कम्पनी के एकाउंट से सभी 41 श्रमिकों को दस दस लाख रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में दे। सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि बचाव अभियान में लगे सभी सदस्यो व विशेष रूप से रैट होल ड्रिलर्स को भी सम्मानित किया जाना चाहिए। धस्माना ने मांग करी कि राज्य में चल रही चार धाम आल वेदर रोड परियोजना , ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना व निर्माणाधीन सभी पन बिजली परियोजनाओं में निर्माणाधीन सभी टनलों का सेफ्टी ऑडिट करवाया जाए ।

संक्षिप्त खबरें

पीएम ने देश में गरीब के सपनों को सच किया: निशंक

हरिद्वार। सांसद डॉ। रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में गरीब के सपनों को सच किया है। लोगों के कल्याण के लिए पीएम रुपयों की वर्षा कर रहे हैं। देश में लोगों को मोदी राज में रामराज्य मिला है। पीएम ने लोगों को फ्री मकान दिया। फ्री शौचालय, फ्री बिजली, फ्री राशन, फ्री सिलेंडर और घर में नल से जल मिला है। देश में पीएम ने स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर की है। लोगों को पांच लाख तक फ्री इलाज दिया जा रहा है। यह मोदी राज में रामराज्य की स्थापना है। यह बातें सांसद निशंक ने ऋषिकुल ऑडिटोरियम में अपने संबोधन के दौरान कहीं। गुरुवार को केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम विकसित भारत संकल्प यात्रा के 15 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में पीएम मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देश की जनता को संबोधित किया। इस दौरान ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज ऑडिटोरियम में लोगों ने पीएम के संबोधन को सुना। साथ ही कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनीताल से वर्चुअल माध्यम से जिले की 28.32 करोड़ रुपये की लागत की 39 योजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही 54.30 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होने वाली 184 योजनाओं का शिलान्यास किया। कार्यक्रम स्थल पर सांसद निशंक ने पूजा अर्चना के बाद सभी योजनाओं का भौतिक रूप से शिलान्यास और लोकार्पण किया। कार्यक्रम में सांसद निशंक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से लोग बड़ी संख्या में जुड़े और यात्रा के साक्षी बने। विकसित भारत संकल्प यात्रा पीएम की गारंटी यात्रा है। पीएम की गारंटी के बाद बिचौलिए खत्म हुए हैं लोगों को सरकार की योजना का सीधा लाभ मिल रहा है। लोगों के खाते में सीधा रुपया पहुंच रहा है। पीएम किसान योजना के तहत जिले में 103233 किसानों को सीधे डीबीटी के माध्यम से योजना का लाभ मिला है। पीएम जन धन योजना के तहत जीरो बैलेंस पर 10 लाख 11 हजार 48 खाते खुलवाए गए हैं। इन खातों में वर्तमान में 400 करोड़ रुपये से अधिक जमा है। मनरेगा की तहत 63000 जॉब कार्ड बन चुके हैं। हर साल 41 करोड़ रुपये खातों में पहुंच रहे हैं। पीएम आयुष्मान योजना के तहत 899669 कार्ड बने हैं। 151829 लोग फ्री इलाज करा चुके है। लोगों को 322 करोड़ का लाभ पीएम ने दिया है। समाज कल्याण विभाग की दिव्यांग पेंशन योजना में 12603, विधवा पेंशन योजना में 29109 और वृद्धा पेंशन योजना में 94503 लोगों लाभ ले रहे हैं। 138 करोड़ रुपये हर साल पेंशन के जिले में लोगों को मिल रहे हैं। इस मौके पर विधायक मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, डीएम धीराज सिंह गब्याल, सीडीओ प्रतीक जैन, परियोजना निदेशक पीसी तिवारी, डीडीओ वेद प्रकाश, मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष बीजेपी संदीप गोयल, शोभाराम प्रजापति, चौ। भीम सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष जयपाल सिंह, आशु चौधरी, विकास तिवारी आदि मौजूद रहे।

जोशीमठ के लिए 1658.17 करोड़ की योजना मंजूर

देहरादून। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति ने आपदाग्रस्त जोशीमठ के लिए ?1658.17 करोड़ की रिकवरी एवं रिकंस्ट्रक्शन योजना को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने योजना की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री का आभार प्रकट किया है। योजना के तहत राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) की रिकवरी एवं रिकंस्ट्रक्शन विंडो से ?1079.96 करोड़ की केंद्रीय सहायता दी जाएगी। राज्य सरकार राहत के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से ?126.41 करोड़ और राज्य के बजट से ?451.80 करोड़ देगी। इसमें पुनर्वास के लिए ?91.82 करोड़ भूमि अधिग्रहण की लागत शामिल है।

जल संकट आज समस्या के रूप में सामने खड़ा है : ठकुराल

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं शोध केंद्र देहरादून द्वारा प्रायोजित वायु गुणवत्ता एवं गंगा की पारिस्थितिकी विषय पर आयोजित सेमिनार में प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. लक्ष्मी नारायण ठकुराल ने कहा कि जल संकट आज विश्व में भयंकर समस्या के रूप में सामने खड़ा है। आज औद्योगिकीकरण एवं मानवजनित क्रियाकलापों से भूमिगत जल के साथ सतही जल की गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन तंत्र को बचाये रखने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि गंगा में मानवीय क्रियाकलापों से उत्पन्न हो रहा प्रदूषण चिंताजनक है। उत्तराखंड राज्य भारतीय हिमालयी क्षेत्र के परिस्थितिकीय रूप से सम्पन्न भूभागों में से एक है।